शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी), जोधपुर द्वारा वन महोत्सव 2013

लगातार प्रदूषित होते वातावरण के कारण अनेक प्रकार के रोग एवं समस्याएँ उत्पन्न हो रही है तथा इस हेतु अधिकाधिक पौधरोपण ही एक मात्र उपाय है, यह उद्गार श्री भंवरलाल वैष्णव, पूर्व सरपंच सालावास ने आफरी द्वारा प्रदर्शन ग्राम, सालावास ने 64 वें वन महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में अपने उद्बोधन में व्यक्त किए । श्री वैष्णव ने बताया कि सरकारी स्तर पर गाँवों के विकास हेतु अधिकाधिक कार्य होने से ही प्रगति संभव है । उन्होंने सालावास में वानिकी कार्यो हेतु समन्वित कार्यक्रम की आवश्यकता बताई । इस अवसर पर अपने उद्बोधन में आफरी निदेशक डॉ. टी.एस. राठौड़ ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से वनों पर लगातार दबाव पड़ रहा है तथा वनों के प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष लाभों को प्राप्त करने के लिए अधिकाधिक पौधे लगाने की महत्ती आवश्यकता है । उन्होंने बताया कि हर वर्ष लगभग 135 हैक्टेयर वन क्षेत्र किसी न किसी रूप में कट रहे है तथा यदि यहीं स्थिति रही तो आने वाली पीढ़ी के लिए पर्यावरण शुद्ध नहीं रह पायेगा ।

कार्यक्रम के आरम्भ में परम्परागत स्वागत के पश्चात् आफरी के कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष डॉ. डी.के.मिश्रा ने वन महोत्सव की महिमा बताई । उन्होंने वन महोत्सव मनाने एवं उसकी उपयोगिता पर अपने विचार व्यक्त किए । आफरी के समूह समन्वयक (शोध) श्री मानाराम बालोच,भावसे ने आफरी द्वारा प्रदर्शन ग्राम में किए जा रहे कार्यो को बताते हुए वन महोत्सव मनाने के साथ पौधों के संरक्षण पर बल दिया । कार्यक्रम में श्री मोहित कुमार निगम, भावसे वन मंडल अधिकारी, जोधपुर ने सालावास में वानिकी कार्यो को और अधिक बढ़ाने हेतु प्रयास करने की जरूरत बताई । उन्होंने स्थानीय लोगों के लिए वानिकी कार्यो में जल की उपलब्धता सुनिश्चित करवाने हेतु प्रयास करने का आश्वासन भी दिया । सालावास के सरपंच श्री ओमाराम पटेल ने स्वागत किया ।

कार्यक्रम में सेवादल अध्यक्ष श्री हजारी सिंह गहलोत ने सालावास के सर्वांगीण विकास हेतु वन मंडल, आफरी एवं अन्य संगठनों के समन्वित प्रयास करने का आह्वान किया । इस अवसर पर नंदवान. ग्राम के सरपंच श्री खरताराम चौधरी भी उपस्थिति थे ।

पौधरोपण 64वें वन महोत्सव में टिकरी भाखरी स्थित आफरी के प्रदर्शन ग्राम प्रायौगिक क्षेत्र में लगभग 50 विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण, मुख्य वन संरक्षक (वन्य जीव) जोधपुर श्री गोविन्द सागर भारद्वाज, भावसे, समूह समन्वयक (शोध) श्री मानाराम बालोच, भावसे, आफरी निदेशक डॉ. टी.एस.राठौड़, वन मण्डल अधिकारी मोहित कुमार निगम, क्षेत्रीय वन अधिकारी श्री बाबूलाल पंवार कृषि वानिकी एवं विस्तार प्रभाग के प्रभागाध्यक्ष डॉ. डी.के.मिश्रा, श्री एन.बाला, श्री प्रवीण चव्हाण, डॉ. रंजना आर्य, डॉ. जी.सिह, श्री ए.के.सिन्हा, श्रीमती संगीता त्रिपाठी, डॉ. इन्द्रदेव आर्य, डॉ. यू.के.तोमर, आशरानी ,शेराराम बालोच, नीलमवर्मा, दीसा मीणा, डॉ. बिलास सिंह, एवं आफरी के अधिकारी/कर्मचारी तथा ग्राम के लोगों आदि ने किया । कार्यक्रम का संचालन आफरी के जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. एन.के.बोहरा ने किया ।